टीवी परिक्रमा

जागरूक कर रहा 'क्या हाल मिस्टर पांचाल'

'क्या हाल मिस्टर पांचाल' शो अपनी परफोर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत रहा है। हाल ही में शो के 'चोटी चुड़ैल' के यादगार एपिसोड में हास्य पुट के साथ वास्तविक घटना को दिखाया गया। मनोरंजन के साथ ही यह शो हल्के-फुल्के अंदाज में सशक्त सामाजिक संदेश के माध्यम से लोगों को जागरूक कर रहा है। शो में हाल ही में 'चोटीचुड़ैल' की कहानी दिखाई गई ।जिसने दर्शकों को चौंका दिया। इसका मकसद लोगों को अंधविश्वास से बचने का सशक्त संदेश देना था। इसके बारे में लोगों के विभिन्न मिथक और विश्वास हैं , लोग इसके पीछे की तर्कसंगतता को समझें।

चैनल ने पूरे किए 100 एपिसोड

चैनल स्टार भारत अपने प्रमुख धारावाहिकों के 100 एपिसोड पूरे करने पर खुशियां मनाने के लिए तैयार है। स्टार भारत के जिन धारावाहिकों ने शतक लगाया है। उनमें क्या हाल मिस्टर पांचाल, निमकी मुखिया और साम दाम दंड भेद शामिल हैं। अपनी शुरुआत से ही स्टार भारत ने दिलचस्प कहानियों और मजबूत किरदारों वाले ऐसे धारावाहिकों को पेश किया है जो देश भर के लाखों दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बना चुके हैं। क्या हाल मिस्टर पांचाल में कन्हैया की भूमिका निभाने वाले मनिंदर सिंह ने कहा, मुझे यकीन नहीं हो रहा है कि हमने 100 एपिसोड पूरे कर लिए हैं। मुझे बहुत खुशी है कि यह शो सबको पसंद आ रहा है। वहीं निमकी मुखिया की भूमिका गुरुंग कहतीं हैं, निमकी की भूमिका निभाना और अब जहां भी मैं जाऊं अपने किरदार की वजह से पहचाना जाना मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि है। मेरी तमन्ना है कि यह शो 1000 और 5000 एपिसोड पूरे करे। साम दाम दंड भेद के भानु उदय कहते हैं, मैं इस सफलता को 'साम दाम दंड भेद परिवार' से जुड़े हर किसी को समर्पित करता हूं। हर कोई शानदार काम कर रहा है और उनकी मेहनत की वजह से ही शो इस मुकाम तक पहुंचा है।

जश्न
100
एपिसोड्ज़ का

■ आमिर

'सबसे अच्छा प्रेमी नहीं हूं मैं' एसआरके

शाहरुख खान ने शो 'टेड टॉक्स इंडिया नई सोच' में पर्सनल चीजों को दर्शकों के साथ शेयर किया। उन्होंने कहा, 'मैं ईमानदारी से यह दावा करता हूं कि मैं दुनिया में सबसे अच्छा प्रेमी नहीं हूं, जैसा कि मैं फिल्मों में नजर आता हूं। लेकिन मुझे यह बहुत पसंद है।' वह अच्छे पिता, पति और सुपरस्टार हैं। जिंदगी की सीख के बारे में एसआरके ने 'टेड टॉक्स इंडिया नई सोच' के दर्शकों के सामने खुद को खुलकर पेश किया। उन्होंने बताया, 'मेरी जिंदगी की दो सीख हैं, जिसे मैं कभी नहीं भूलता। सबसे पहले और प्रमुख कि आपको दूसरों की बात माननी चाहिये क्योंकि आप भी यही चाहते हैं कि दूसरे आपकी बात सुनें। दूसरी जिसने मुझे आज इस मुकाम तक पहुंचाया, वह यह कि मेरी जिंदगी में सॉरी और थैंक्यू बहुत महत्वपूर्ण हैं।'

लिपस्टिक अंडर माय बुरखा के बाद फिर साथ एकता और अलंकृता

लिपस्टिक अंडर माय बुरखा की निर्माता एकता कपूर और निर्देशक अलंकृता श्रीवास्तव सफलता की कहानी फिर से दोहराना चाहते हैं। दोनों फिलहाल स्क्रिप्ट पर काम कर रही हैं। इस जोड़ी की आपस में बात तय हो चुकी है कि किस कहानी पर फिल्म बनाई जायेगी। इस समय फिल्म की कास्टिंग चल रही है। लिपस्टिक अंडर माय बुरखा को मिली आलोचकों की प्रशंसा और व्यावसायिक सफलता के बाद, एकता और अलंकृता के बीच सहयोग को दर्शकों द्वारा उत्सुकता देखा जाना स्वाभाविक है। इस बारे में अलंकृता का कहना है, 'मुझे लगता है कि मैं जैसी फिल्में बनाना चाहती हूं, उसके लिए साहस और कुछ जोखिम उठाने की जरूरत है। मुझे इस बात की खुशी है एकता मेरे साथ हैं।

गंगा-आरती में सोनू टीटू और स्वीटी

सोनू के टीटू की स्वीटी का दूसरा गाना पिछले दिनों जारी किया गया। इस गाने की खासियत गंगा-आरती का 30 सेकंड का दृश्य है। इस दृश्य के लिए, टीम ने पंडितों द्वारा संपन्न किए जाने वाली वास्तविक आरती को फिल्माने का फैसला किया था। जब आरती शुरू हुई तो टीम के सारे लोग इतने भाव-मग्न हो गए थे कि शॉट के बाद भी (निर्देशक लव रंजन ने) आरती के दृश्य को कट नहीं कहा, बल्कि इसे पूरे 14 मिनट की अवधि के लिए जारी रखा। इसमें खास बात यह है इस दृश्य को विभिन्न कोणों से सात शॉट में लिया जाना था और बिना किसी कट के हर बार लव की पूरी आरती को फोकस करना था।

डिंपल की खातिर करण कपाडिया के साथ सनी देओल

डिंपल कपाडिया और सनी देओल कनेक्शन फिर साफ नजर आ रहा है। कुछ समय पहले, लंदन में फुटपाथ के किनारे हाथ में हाथ डाले, सनी देओल और डिंपल की तस्वीरें सोशल साइट्स पर वायरल हुई थी। यह कहा जाने लगा था कि यह रोमांटिक जोड़ी एक बार फिर रोमांस करने को बेताब है। पिछले दिनों, खबर आई कि बॉलीवुड का एक और भतीजा हिंदी फिल्मों में भाग्य आजमाने आ रहा है। यह भतीजा था करण कपाडिया, डिंपल की छोटी बहन सिंपल का बेटा। सिंपल कपाडिया ने 1977 में अपने जीजा राजेश खन्ना के साथ फिल्म अनुरोध से डेब्यू किया था लेकिन फिल्म फ्लॉप हुई थी। इसके बाद सिंपल ने कई फिल्मों में अभिनय किया। लेकिन वह सफल अभिनेत्री तो नहीं बन सकी। वह प्रतिभाशाली कॉस्टयूम डिजाइनर जरूर बन गईं। उन्होंने दो दर्जन फिल्मों की पोशाकें तैयार की थी। फिल्म रुदाली के लिए उन्हें श्रेष्ठ कॉस्टयूम डिजाइनर का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था। इन्ही सिंपल के बेटे हैं करण कपाडिया। टोनी डीसूजा करण कपाडिया की फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। यह वही टोनी हैं, जिन्होंने अन्थोनी डिसूजा के नाम से, 2009 में फिल्म ब्लू का निर्माण किया था। फिल्म का निर्देशन बेहजाद खम्बाटा करेंगे। इस फिल्म में सनी देओल और डिंपल कपाडिया की जोड़ी में अहम भूमिका होगी। सनी और डिंपल की यह जोड़ी कोई 24 साल बाद फिर बनेगी। तो क्या इस फिल्म की खातिर सनी और डिंपल लंदन में मिले थे !

डिजिटल दुनिया में आसिफ पंजवानी के 20 लाख

जी म्यूजिक द्वारा जारी सिंगल हम जुबान हो तुम के साथ संगीतकार आसिफ पंजवानी डिजिटल वर्ल्ड के बीस लाख दिलों पर राज कर रहे हैं। आसिफ पंजवानी का यह गीत जारी होने के बाद से दुनिया भर में टॉप ग्रॉसर के तौर पर छाया हुआ है। इस गीत ने रिलीज होने के बाद से ही डिजिटल वर्ल्ड में नंबर एक की स्थिति बरकरार रख कर, खलबली मचा दी है। युवाओं के बीच लोकप्रिय असिफ पंजवानी उन संगीतकारों में से हैं, जिनके लिए किसी विश्लेषण की जरूरत नहीं है। आसिफ के संगीत को हमेशा से मेलॉडी की तलाश रही है। आसिफ के लोकप्रिय गीतों में एक्टर एजाज खान का गाया दे गोली गीत उल्लेखनीय है। उन्होंने फिल्म टेरर स्ट्राइक बियॉन्ड बाउंड्रीज का बैकग्राउंड म्यूजिक भी दिया है। अब उनका सिंगल मेजबान जिंदगी जारी किया जाने वाला है। आसिफ कहते हैं, 'मैं अपने सभी प्रशंसकों का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा, जिन्होंने मेरे इस गीत को इतना प्यार किया और सराहा है। यह गीत मेरे लिए बेहद विशेष है।

डीजे शेजवुड ने गाया परदे में रहने दो !

रीमिक्स की दुनिया में, डीजे शेजवुड इकलौते ऐसे नाम हैं, जो पिछले सात सालों में रीमिक्स की दुनिया में तहलका मचा देने वाले 101 से ज्यादा रीमिक्स गीत दे चुके हैं। उनके हिट कंपाइलेशन में मेरे पिया गए रंगून, हादसा, सुट्टा मिक्स, सुपरगर्ल, समथिंग समथिंग, तू दिस दा, आदि की लाखों कापियां बिक चुकी हैं। यह रीमिक्स संगीत के इतिहास का नया पन्ना हैं। उनके रीमिक्स के विडियो में राखी सावंत, मेघना नायडू, मुमैत खान, मिका सिंह, पूनम झावर आदि अपनी कला का प्रदर्शन का चुके हैं। अब डीजे शेजवुड की नए साल की शुरुआत एक नए रीमिक्स गीत परदे में रहने दो से हुई है। इस रीमिक्स गीत में शेजवुड का साथ पूजा ने दिया है। यह रीमिक्स 1968 में आई फिल्म शिकार का आशा भोंसले द्वारा गाया, शंकर जयकिन द्वारा संगीतबद्ध आशा पारेख पर फिल्माया गया डांस नंबर का है। शेजवुड कहते हैं, 'यह बहुत अच्छा है कि हम कुछ पुराने धुनों को सुधारने में सक्षम हैं। कुछ बहुत खूबसूरत धुन और गीत हैं। जब इन्हें एक आधुनिक मोड़ दिया जाता है, तो युवाओं को क्लासिक्स में पेश करने में मदद मिलती है। अतीत के इस एवरग्रीन गाने के रीमिक्स से हर किसी को प्यार हो जाएगा।

नोरा फतेही रोर से माय बर्थडे सांग तक

2013 में फ्लॉप एक्टर कमल सडाना निर्देशित फिल्म रोर टाइगरस ऑफ सुंदरबन रिलीज हुई थी। इस फिल्म में, कनाडा की भारतीय मूल की डांसर नोरा फतेही ने एक कमांडो सीजे की भूमिका में दर्शकों का ध्यान खिंचा था। कमल सडाना की तरह रोर भी फ्लॉप हुई। रोर के दो साल बाद, इसकी कमांडो सीजे नोरा फिल्म क्रेजी चुक्कड़ फैमिली में एमी के किरदार में दिखाई दी। इस के बाद, वह हिंदी, तमिल और तेलुगू फिल्मों में स्पेशल अपीयरेंस में डांस करते ही नजर आ रही थी। अब छः साल बाद, नूरा लेखक-निर्देशक समीर सोनी की फिल्म माय बर्थडे सांग में संजय सूरी की नायिका की भूमिका कर रही हैं। समीर ने ही फिल्म को लिखा भी है। इसलिए, वह नोरा के चरित्र को गहराई से जानते हैं। इस करैक्टर के लिए उन्होंने नोरा फतेही को ही क्यों चुना? इस बारे में वह कहते हैं, नोरा का किरदार काफी जटिल है। इसे करना किसी के लिए भी आसान नहीं। इस चरित्र में मासूमियत भी है और लुभावनापन भी है। उनके व्यक्तित्व में दूसरों को लुभाने की क्षमता भी है। कनाडा की होने के कारण वह फिल्म के अपने करैक्टर की तरह ही हैं।

■ अल्पना

बदलता रहा है फिल्मों का नाम

पद्मावती से पद्मावत

ऑपरेशन सेंसर बोर्ड के जरिये रानी पद्मावती पुरुष लिंग में परिवर्तित कर पद्मावत बना दी गई है। अभी तक बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के किरदार रानी पद्मिनी उर्फ संजय लीला भंसाली की पद्मावती पर आधारित टाइटल वाली फिल्म पद्मावती अब पद्मावत बनकर एक काव्य रचना बन गई है। किसी फिल्म का टाइटल बदल कर, फिल्म से जुड़े विवादों को कम करने या कम हुआ मान लेने की यह कवायद कितनी कारगार होगी, यह तो वक्त ही बतायेगा। क्योंकि, मेवाड़ रानी पद्मिनी के साथ खिलजी के कथित रोमांस दृश्यों को लेकर उठा विवाद अब खत्म हो जाएगा, कहा नहीं जा सकता। राजस्थान सरकार ने पद्मावत की रिलीज की तारिख तय होते ही इस फिल्म को राजस्थान में रिलीज होने से रोककर विवाद के खत्म न होने का संकेत दे दिया है। संभव है कि कुछ दूसरी राज्य सरकारें भी फिल्म की रिलीज पर रोक लगा दें। लेकिन, फिलहाल, सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने अपनी बला टाइटल बदल कर टाल दी है।

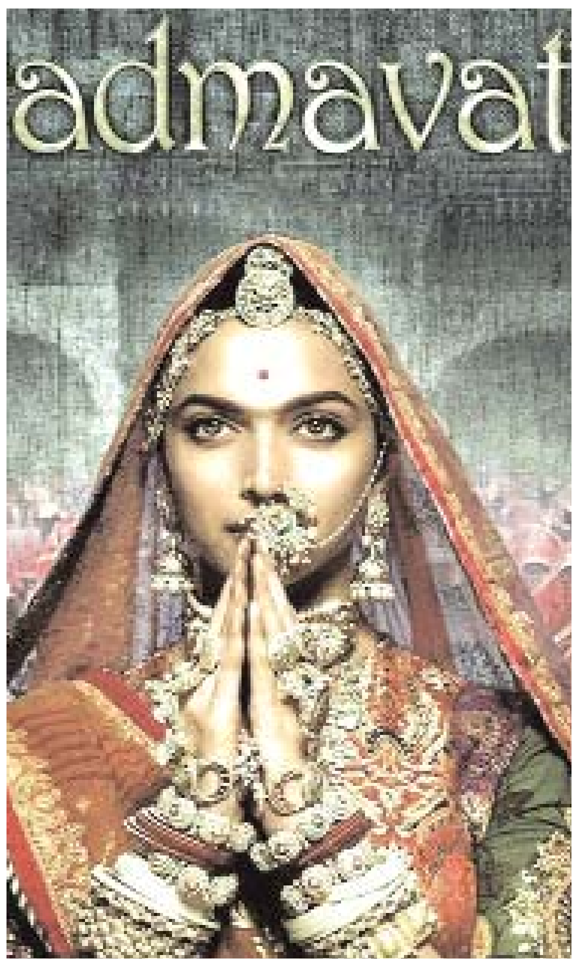

राम-लीला जुड़ी गोलियों की रासलीला से

टाइटल बदलने की सेंसर बोर्ड की राजनीति प्रसून जोशी से समय की नहीं है। कई ऐसे उदाहरण हैं, जब फिल्मों के टाइटल बदल कर फिल्में रिलीज कर दी गई। संजय लीला भंसाली की फिल्म गोलियों की रासलीला राम-लीला का टाइटल इसका प्रमाण है। भंसाली की 2013 की इस फिल्म का टाइटल राम-लीला रखा गया था। फिल्म रिलीज होने से पहले इस फिल्म के टाइटल पर विवाद खड़ा हो गया। हिन्दू संगठ्नों को अपने ईष्ट देव राम के नाम पर फिल्म का नाम रखे जाने पर ऐतराज था। यह मामला कोर्ट गया। इस पर राम-लीला के निर्माताओं ने फिल्म के ओरिजिनल टाइटल के साथ गोलियों की रासलीला जोड़ कर फिल्म को गोलियों की रासलीला राम-लीला कर दिया। इसके बाद किसी हिन्दू संगठ्न को फिल्म पर ऐतराज नहीं रहा।

कॉपीराइट का मामला हो तो...

हिंदी फिल्म निर्माता किसी भी पॉपुलर नाम पर अपनी फिल्म का टाइटल रजिस्टर करा कर फिल्म बनाना शुरू कर देते हैं। निर्माता शूजित सरकार ने जब अमित रॉय के साथ शादी की वेबसाइट चलाने वालों के भाग कर शादी करने सलाह देने वाले किरदारों पर फिल्म की शुरुआत की तो फिल्म का नाम रनिंग शादी डॉट कॉम रखा था। तापसी पन्नू और अमित साध को लेकर रनिंग शादी डॉट कॉम के साथ फिल्म बन तो गई, लेकिन शादी को लेकर चलाई जा रही एक वेबसाइट शादी डॉट कॉम ने फिल्म के निर्माताओं पर मुकदमा कर दिया कि इनकी फिल्म का नाम रनिंग शादी डॉट कॉम उनकी वेबसाइट को बदनाम करने वाला है क्योंकि इस फिल्म में जोड़े को भाग कर शादी करने की सलाह दी जाती है। बॉम्बे हाई कोर्ट में इस टाइटल के खिलाफ याचिका के बाद शूजित सरकार को अपनी फिल्म से डॉट कॉम हटा कर रनिंग शादी करना पड़ा। 2013 में रिलीज एक और फिल्म, शाहिद कपूर और सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म आर...राजकुमार भी कॉपीराइट के कारण टाइटल बदलने को मजबूर हुई थी। इस फिल्म का मूल टाइटल रेम्बो राजकुमार था । लेकिन, हॉलीवुड के एक स्टूडियो द्वारा कॉपीराइट के आधार पर आपत्ति किये जाने पर फिल्म को आर...राजकुमार टाइटल के साथ रिलीज किया गया।

मजाक उड़ता देखकर पंजाब

अभिषेक चौबे की फिल्म उड़ता पंजाब इस राज्य में नशे की समस्या को लेकर फिल्म थी। फिल्म में राजनेताओं और पुलिस वालों को नशीली दवाओं की तस्करी करने का जिम्मेदार ठहराया गया था। इस पर पंजाब सरकार द्वारा फिल्म को बिना पंजाब टाइटल के साथ रिलीज करने लिए कहा गया। क्योंकि फिल्म का टाइटल पंजाब को बदनाम करने वाला साबित होता था। यह ऐसी पहली फिल्म थी, जो सोशल मीडिया पर मजाक बनाये जाने के कारण अपने ओरिजिनल टाइटल के साथ रिलीज हुई। मोहजोदाड़ो इंग्लिश के आखिरी तीन शब्द (दारू) हटाने के सुझाव भी आये ताकि फिल्म बिहार और गुजरात जैसे ड्राई राज्यों में भी रिलीज हो सके। इस मजाक के बाद फिल्म अपने ओरिजिनल नाम के साथ ही रिलीज हो कर फ्लॉप हुई।

जाफना से मद्रास कैफे तक

निर्माता जोड़ी शूजित सरकार और जॉन अब्राहम ने राजीव गांधी की लिट्टे आतंकवादियों के द्वारा हत्या पर फिल्म मद्रास कैफे 23 अगस्त 2013 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म को जाफना के शीर्षक के साथ बनाया गया था। जॉन अब्राहम की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म के टाइटल पर श्रीलंका सरकार द्वारा ऐतराज किया गया कि फिल्म उनके शहर जाफना को राजीव गांधी हत्याकांड से जोड़ने के कारण बदनीयती से दिखाने वाली है। मजबूरन फिल्म निर्माताओं को राजीव गांधी की हत्या का षडयंत्र जाफना में रचे जाने के स्थान पर काल्पनिक मद्रास कैफे में रचा हुआ दिखाने को मजबूर होना पड़ा। इस फिल्म को इतने विवाद के बावजूद औसत सफलता ही मिली।

जातियों के ऐतराज पर भी

फिल्म के टाइटल को जातियों की आपत्ति के कारण भी बदलना पड़ा है। प्रियदर्शन की कॉमेडी फिल्म बिल्लू ऐसा ही उदाहरण है। इस फिल्म का शुरुआती टाइटल बिल्लू बारबर या बिल्लू नाई था। इस फिल्म में शाहरुख खान ने एक फिल्म सुपर स्टार और इरफान खान ने नाई बिल्लू की भूमिका की थी। आधुनिक कृष्ण और सुदामा की दोस्ती पर इस फिल्म के टाइटल को लेकर नाई समाज द्वारा भारी विरोध किया गया। इसके बाद दबाव में आकर फिल्म का नाम बिल्लू कर दिया गया। जाहिर है कि टाइटल का बदला जाना कोई आज की बात नहीं। लेकिन, ऐसा पहली बार हुआ होगा कि किसी फिल्म के टाइटल को सिर्फ एक अक्षर को हटा कर बदला गया। वैसे फिल्म की रानी पद्मावती काल्पनिक नाम ही है। क्योंकि, मेवाड़ की महारानी का नाम पद्मिनी था। पद्मावती तो जायसी की काव्य रचना पद्मावत की नायिका का नाम था। इसलिए, फिल्म का टाइटल नायिका के बजाय काव्य पर होना कोई गलत बात नहीं है, लेकिन, इससे विवाद कम होगा, इसकी उम्मीद नहीं की जानी चाहिए।

■ सुप्रीता कांडपाल

TAL
PAA
EBOX

अमन की आशा बनी टोटल सियापा

निर्माता नीरज पाण्डेय की ईश्वर निवास निर्देशित फिल्म का शुरुआती नाम अमन की आशा था। इस फिल्म का लंदन में रहने वाले पाकिस्तानी गायक अमन को हिन्दुस्तानी लड़की आशा से प्रेम हो जाता है। इन दोनों के नाम से मिलकर बनी फिल्म अमन की आशा को खतरा पैदा हुआ पाकिस्तान और हिंदुस्तान के दो बड़े अखबारों द्वारा भारत-पाकिस्तान के बीच संबंधों को सुधारने के प्रयासों की लिए शुरू की गई मुहिम अमन की आशा से। हालांकि, इस समय यह मुहिम कहां तक पहुंची है, मालूम नहीं। लेकिन, अली जफर और यमी गौतम के टाइटल रोल वाली इस फिल्म का नाम बदल कर टोटल सियापा करना पड़ा। यकीन जानिये इस फिल्म के निर्माताओं को बॉक्स ऑफिस पर भी टोटल सियापा करना पड़ा। दस करोड़ में बनी टोटल सियापा तमाम सियापा करने के बावजूद सिर्फ 13 करोड़ ही जुटा पाई।